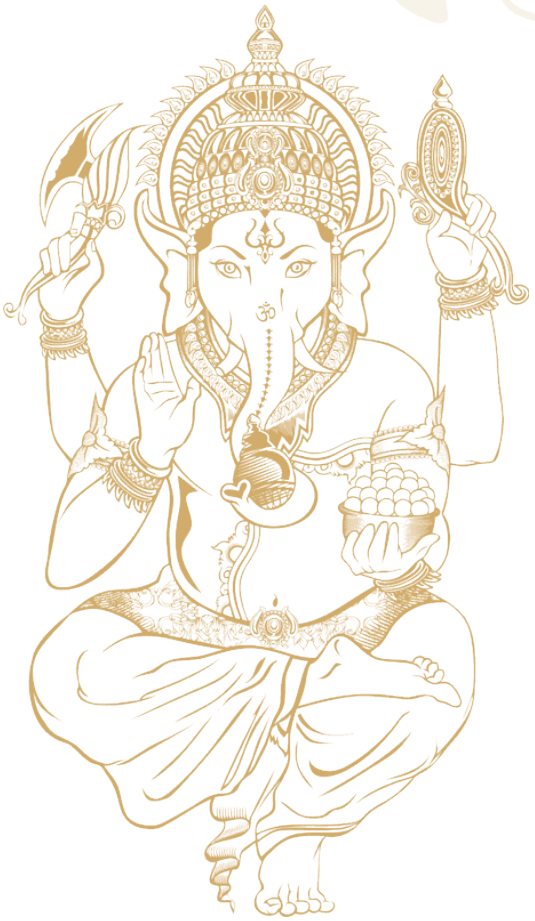

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119803204

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/11/1995	जन्म तिथि	04/12/1999
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 09:05:00	जन्म समय	14:45:00 घंटे
घटी 05:41:46	जन्म समय(घटी)	19:26:11 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Bharatpur
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	27:13:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:48:17	सूर्योदय	06:54:28
17:25:24	सूर्यास्त	17:25:42
23:48:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:07

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 8वर्ष 2मा 17दि		03:24:32	धनु	लग्न	मेष	02:16:33	राहु 14वर्ष 9मा 28दि	
शनि		04:32:18	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	17:54:37	गुरु	
08/02/2020		13:54:52	तुला	चंद्र	तुला	09:00:57	02/10/2014	
07/02/2039		29:05:48	वृश्चि	मंगल	मक	12:21:28	02/10/2030	
शनि	10/02/2023	03:20:55	वृश्चि	बुध	तुला	27:43:16	गुरु	20/11/2016
बुध	20/10/2025	26:27:16	वृश्चि	गुरु व	मेष	01:36:56	शनि	03/06/2019
केतु	29/11/2026	28:14:05	वृश्चि	शुक्र	तुला	04:20:14	बुध	08/09/2021
शुक्र	29/01/2030	24:11:40	कुंभ व	शनि व	मेष	17:45:41	केतु	15/08/2022
सूर्य	11/01/2031	02:27:17	तुला व	राहु व	कर्क	11:26:17	शुक्र	15/04/2025
चन्द्र	11/08/2032	02:27:17	मेष व	केतु व	मक	11:26:17	सूर्य	01/02/2026
मंगल	20/09/2033	03:35:21	मक	हर्ष	मक	19:45:05	चन्द्र	03/06/2027
राहु	27/07/2036	29:34:29	धनु	नेप	मक	08:27:07	मंगल	09/05/2028
गुरु	07/02/2039	06:36:28	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:32:40	राहु	02/10/2030

लग्न-चलित

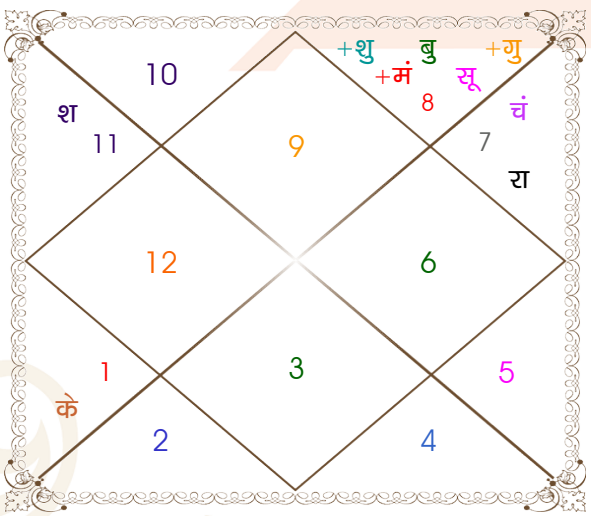

लग्न-चलित

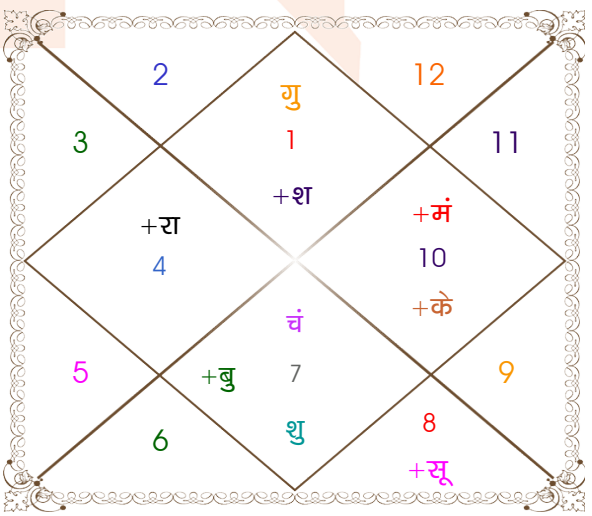

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।